

**Use of Natural Uranium from
Jaduguda**

2917. SHRI SHIVA CHANDRA JHA: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the natural uranium from Jaduguda (in Singhbhum district) in Bihar is used in the atomic plants of India;

(b) if so, what are the details thereof;

(c) whether Government propose to set up an Atomic Power Plant at Jaduguda and use the natural uranium there; if so, what are the details thereof; and

(d) if not, what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENTS OF SCIENCE AND TECHNOLOGY, ELECTRONICS AND ENVIRONMENT (SHRI CHANDRA PRATAP NARAIN SINGH): (a) and (b). The Uranium Corporation of India Ltd., a public sector undertaking of the Department of Atomic Energy is engaged in the mining of uranium at Jaduguda, Singhbhum District, Bihar. The ore is processed into uranium concentrate and is used in the fabrication of fuel required for the pressurised heavy water reactors in operation/construction in the country.

(c) and (d). As, for an atomic power station the transportation of the ore or the uranium concentrates is not a limiting factor, there is no particular advantage in locating an atomic power station close to the source of uranium. Further more, power from an atomic power station is competitive *vis-a-vis* a coal-fired thermal power station only at a distance of more than 700 Kms. from the pit-head.

सन्दर्भ कोल माइन्स रेस्क्यू स्टेशन कमेटी धनबाद के इंजीनियर के विरुद्ध भ्रष्टाचार के आरोप

2918. श्री लाडली मोहन निगम : क्या अम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान सन्दर्भ कोल माइन्स रेस्क्यू स्टेशन कमेटी, धनबाद में सेवारत इंजीनियर के विरुद्ध लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों संबंधी समाचार, जो 30 दिसम्बर, 1980 के "चुनौती" में प्रकाशित हुआ था, की ओर आकर्षित किया गया है ;

(ख) यदि हाँ, तो क्या सरकार ने इस मामले की जांच पड़ताल की है ;

(ग) यदि हाँ, तो इस संबंध में क्या है ; और

(घ) सरकार इस इंजीनियर के विरुद्ध क्या कार्यवाही करने का विचार रखती है ?

अम संचाल्य में राज्य मंत्री (श्रीमती रामबुलारी सिन्हा : (क) से (घ) तारीख 30 दिसम्बर, 1980 के "चुनौती" में प्रकाशित समाचार केन्द्रीय कोयला खान बचाव केन्द्र समिति के सिविल इंजीनियर के विरुद्ध रामगढ़ में पानी की टंकी के निर्माण से संबंधित कतिपय आरोपों के बारे में है । आवश्यक समझी गई जांचों के पूरा होने के पश्चात् सम्बद्ध नियमों के उपबंधों के अनुसार आवश्यक कार्यवाही की जाएगी ।